मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSKE–009

एम. ए. (संस्कृत) (एम. एस. के. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एस.के.ई.-009 : वेद : वैदिक संहिताएँ और वैदिक व्याकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *भाग–'क' से किन्हीं **तीन** प्रश्नों तथा भाग–'ख' से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग–क 3×20=60

1. ऋग्वेद का परिचय देते हुए, उसके प्रमुख विषयों का उल्लेख कीजिए। 20

2. वेदापौरुषेयत्व के सन्दर्भ में विकासवाद के सिद्धान्तों की समीक्षा कीजिए। 20

3. वेदापौरुषेयवाद में भारतीय शास्त्रों के मतों का विवेचन कीजिए। 20

4. वेद के प्रमुख व्याख्याकारों का परिचय एवं वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए। 20

5. वैदिककालीन सामाजिक एवं आर्थिक जीवन पर प्रकाश डालें। 20

6. निरुक्त का परिचय देते हुए, सप्तम अध्याय के प्रतिपाद्य विषय का निरूपण कीजिए। 20

भाग—ख 4×10=40

7. अथर्ववेद में प्रतिपादित सामाजिक एवं धार्मिक व्यवस्थाओं का उल्लेख कीजिए। 10

8. वेद का स्वरूप बताते हुए, उसके प्रयोजनों का निरूपण कीजिए। 10

9. वेदों की ललित कलाओं का प्रतिपादन कीजिए। 10

10. वेदों के दार्शनिक चिन्तन का विवेचन कीजिए। 10

11. वैदिककालीन भौगोलिक जीवन पर प्रकाश डालिए। 10

12. यजुर्वेद के प्रजापति सूक्त की विषय-वस्तु निरूपित कीजिए। 10

13. पृथिवी सूक्त के प्रतिपाद्य का वर्णन कीजिए। 10

14. भेदसहित वैदिक स्वरों का प्रतिपादन कीजिए। 10

× × × × ×